गपसप

समग्र विकासक लेल मिथिला राज्य आवश्यक : ई. रत्नेश

ओरेकल अमेरिका, सिकगो (अमेरिका)क प्राजेक्ट मैनेजर रत्नेश कुमार झा www. mithila.on line. com बेभ साइट खोलि अमेरिकामे मिथिलाक संस्कृतिक संरक्षण कार्यमे संलग्न छथि । कम्प्युटरमे नागपुर (भारत) सँ इजिनियरीङ्गक उपाधि ग्रहण कएल श्री झा अमेरिकाक Iowa विश्व विद्यालयसँ एम.बी.ए. कएने छथि । माय मंजुझा आ पिता बैद्यनाथ झाक जेठ पुत्र श्री रत्नेशक जन्म १ जुन १९७४ ई. मे महोत्तरी जिलाक गैंदा भेटपुर गाममे भेल छन्हि । पेशासँ इंजिनीयर रहितो मिथिलाक माटि पानि संस्कृति भाषा आ परम्परा प्रति समर्पित श्री झाक राजबिराज प्रवासमे मिथिला साप्ताहिक लेल विवेकानन्द झासँ भेल बातचीतक किछु अंश प्रस्तुत अछि ।

ई. रत्नेश

मिथिला : अमेरिकामे रहितो मैथिललेल किछु करबाक भावना कोना आएल ?

रत्नेश : अमेरिकाक विभिन्न शहरमे उत्तरी मिथिला आ दक्षिण मिथिला (नेपाल-भारत) क बहुत गोटे रहैत छथि । मिथिलामे रहनिहार, चाहे ओ कोनो जाति वा वर्गके होथि ओ मैथिल थिकाह । अत्यधिक व्यस्तताक वादो अपन भाषा, संस्कृति, आ परम्पराक संरक्षण आ सम्बर्द्धन करबाक उद्देश्यसँ आदरणीय देवेन्द्र मिश्र, शान्ता मिश्र, पुरुषोत्तम झा, आदिक सहयोगसँ www. mithila on line. com खोलि परस्पर संवाद स्थापित करबाक जोगार कएलहुँ ।

मिथिला : एहि बेभ साइटक मूल उद्देश्य की अछि ?

रत्नेश : एहि बेभ साइटक उद्देश्य अमेरिकामे नव आएल मैथिल सबके यथा संभव सहयोग करब थिक । अमेरिकामे रहएवाला मैथिल सब विआह मैथिलेमे करबाक इच्छुक रहैत छथि' तै' एहि बेभसाइटमे बैवाहिक विज्ञापन सेहो देल जाइत अछि, जकरासँ अमेरिकामे रहए वाला मैथिलक अतिरिक्तो नेपाल भारतमे रहएवाला मैथिल सब लाभ उठा रहल छथि । मिथिला आ मैथिली क्षेत्रमे होमयवाला गतिविधिसँ एहि बेभसाइटके अध्ययन करैत रहैत छी ।

मिथिला : नेपालमे जे मधेसी आन्दोलन भ' रहल छैक ओकरा प्रति आहाँ लोकनिक की अवधारणा अछि ?

रत्नेश : मधेसी आन्दोलन सैकड़ो वर्षसँ दबल पीड़ित आंकाक्षाक प्रस्फुटन छल । दमन आ शोषण जखन पराकाष्ठा पर पहुँचि गेल त ई आन्दोलन भेनाइ स्वभाविके छल । नेपालमे मधेसीक पहिचानक समस्या अछि । नेपाली कहिते दाउरा सुरवाल, टोपी आ मंगोलियन ब्रीडक कल्पना अमेरिका सहित आनो देशमे होइत अछि जखन कि मिथिलाक संस्कृति, परम्परा, इतिहास, साहित्य, लिपि आदि बहुते पुरान अछि । एक भाषा एक भेषक अधिनायकवादी सरकारी नीतिक कारणे पहाड़ीक अतिरिक्त अनकर पहचान संकटमे पड़ि गेल छल, तै मधेसी आन्दोलन बस्तुतः सांस्कृतिक आन्दोलन छल, हमरा नजरिमे ।

मिथिला : मधेसी आन्दोलनमे अपने सब सहयोग केलियैक कि ?

रत्नेश : हमसब अमेरिकामे तराइ संघ स्थापना कएने छी जकर अध्यक्ष रतन झा, उपाध्यक्ष जय मंडल, कोषाध्यक्ष ललित झा छथि । मधेसी आन्दोलनक समयमे हमरा लोकनि एहि संघक माध्यमे विभिन्न तरहक सहयोग कएने छी, फोरमकें आवश्यकता भेलापर अखनो पाछु नहि हटब । आखिर अस्मिताक सवाल छैक ने !

मिथिला : मिथिलाक विकासलेल मैथिलकें की करक चाही ?

रत्नेश : मिथिलाक समग्र विकास लेल एतुका लोकसबके सर्वप्रथम शिक्षित बनए पड़तैक आ एकर दायित्व समाजक पढ़ल लिखल तथा आर्थिक रूपें सम्पन्न लोकके लेबए पड़तन्हि । गाम देहातक विपन्न आ अशिक्षित लोककें शिक्षाक अवसर उपलब्ध करेबाकलेल शिक्षित लोकसबकें आगू आबि सहारा देबए पड़तैक । अशिक्षा रूपी महाअंधकारसँ इजोत दिस अनबाक जवाबदेही हमरा अहाँ सनक लोककें लेबए पड़त ।

मिथिला : हालहि फोरमसँ सरकारक वार्ता टोली वार्ता कएलक अछि जाहिमे त्रिभाषा शिक्षा नीति पर सहमति भेलैक अछि, की ई उपयुक्त छैक ?

रत्नेश : हे औ ! नेपाली भाषा जे पूर्वमे खस भाषा छल, राज्यक शक्ति पाबि हमरा लोकनि पर जवरदस्ती लादल गेल अछि । हमरा लोकनिकें मानसिक रूपे गुलाम बनेबाक लेल तथा हमरा लोकनिक संस्कृतिकें विनास करबाक लेल भाषाक भार लादल गेल अछि । हमरा विचारमे मात्र मातृभाषा आ अन्तरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त अंग्रेजी भाषाक पढ़ाइ होएवाक चाही । मातृभाषा माध्यमे प्रारंभिक शिक्षा भेलापर प्रतिभा विकासमे अनुकूलता अएबाक तथ्य अन्तरराष्ट्रीय मान्यता अछि । मातृभाषाक माध्यमे प्राथमिक शिक्षा भेलासँ वर्तमान साक्षरता प्रतिशतमे जादुइ परिवर्तन संभव अछि ।

मिथिला : फोरम सहित किछु दल एक मधेश एक प्रदेशक बात करैत छथि, अहाँक नजरिमे की ई उपयुक्त छैक ?

रत्नेश : संघीय शासन प्रणालीमे सत्ताक विकेन्द्रीकरण आ सबहक प्रतिनिधित्वक माध्यमे विकासक अबधारणा राखल गेल अछि । मात्र भौगोलिक समानताक कारणे मेचीसँ महाकाली धरि सम्पूर्ण मधेसकें एक मात्र प्रदेश बनेलासँ समस्यामे तात्विक अन्तर नहि आएत । समानुपातिक प्रतिनिधित्वक लेल एक मधेस अनेक प्रदेशक परिकल्पना बेसी उपयुक्त होएत । सम्पूर्ण मधेसमे मिथिला, भोजपुर, अवधी आ थारुवान चारिटा प्रदेश जकरा पूर्ण स्वायत्तता प्राप्त हो, बनेलासँ सब क्षेत्र आ लोकक समग्र विकास संभव भ' सकैत अछि ।

मिथिला : मधेसमे एकसँ बेसी प्रदेश भेलापर मधेस कमजोर होएबाक बात कहल जाइत अछि ने ?

रत्नेश : विकेन्द्रीकरणसँ वा संघीय शासन व्यवस्थासँ यदि कमजोर होएबाक बात होइतैक त भारत आ अमेरिका कमजोर भ जएतैक । भाषाक आधारमे भारतमे बंगाल पंजाब, केरल, तमिलनाडु आदि राज्य बनल आ सब राज्य उन्नतशील अछि । भाषाक आधारपर वांगलादेशक निर्माण भेल अछि ।

मिथिला : मधेसीक सरकारक सब अंगमे समान प्रतिनिधित्व लेल कारगर उपाय की हेतैक ?

रत्नेश : मधेसी बहुत दिनसँ शोषित आ पीड़ित छथि । समान प्रतिनिधित्व करेबाक लेल जनसंख्याक आधार पर मधेसीकें ता धरि आरक्षण भेटक चाही जा धरि सरकारक सब अंगमे मधेसी आ इतर पक्षक समान संख्या नहि पहुँचि जाइ । पछुआएल वर्गके आगू बढ़ेबाक लेल एक मात्र उपाय आरक्षण अछि । मुदा आरक्षणके क्रममे एहि बात पर ध्यान देब आवश्यक जे पहिलहिसँ अगुआएल मधेसी वर्गके आरक्षणसँ मुक्त राखल जाय ।

मिथिला : पत्रिकाक माध्यमे किछु कहबाक अछि ?

रत्नेश : सर्वप्रथम त हम धन्यवाद देबए चाहब 'मिथिला' साप्ताहिक पत्रिकाक प्रकाशक मैथिली साहित्य परिषद सप्तरीकें जे संस्थागत रूपे अनवरत पत्रिकाक प्रकाशन कए पाठक वर्गके तैयार कए रहल छथि । भाषाक लोप भेलासँ संस्कृति आ अस्मिताक लोप भ' जाइत छैक । अपन पहचान काएम रखबाक लेल संस्कृतिक संरक्षण आवश्यक अछि । भाषा विकास सहित समग्र मिथिलाक विकास लेल नेपालमे संघीय शासन व्यवस्था अन्तर्गत मिथिला राज्यक स्थापना आवश्यक शर्त अछि । एखन समय से हो उपयुक्त अछि । आगामी संविधान सभाक निर्वाचनमे ओहने उम्मेदवारके जिताउ जे मिथिला राज्यक स्थापना लेल काज करबाक बचन बद्धता व्यक्त करथि ।

मिथिला : व्यस्ततम समय मे सँ मिथिला लेल समय निकाललहुँ ताहि लेल धन्यवाद अछि ।

रत्नेश : धन्यवाद त हम मिथिला साप्ताहिककें दैत छी जे हमरा अपन विचार रखवाक अवसर देलक, ओना हम विश्वास दिआबए चाहैतछी जे मिथिला आ मैथिलक उत्थानक लेल हम सदैव तत्पर रहब ।